

B.A. 4th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-2

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

Answer any one group.

**Group-A
(Spoken Sanskrit)**

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं देवनागरीलिपिमाप्त्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10
- নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।
- (a) प्रातः सायञ्च केनचित् सहसम्भाषणात् प्राक् कीदृशम् अभिवादनं स्यात्?
সকাল এবং সন্ধ্যায় কারোর সঙ্গে সম্ভাষণের পূর্বে কীরকম অভিবাদন হয়?
- (b) 'भवान्' इति पदं कस्मिन् पुरुषे वर्तते? अस्य पदस्य स्त्रियां किं रूपं भवति?
'भवान्' पदটি কোন পুরুষ? এর স্ত্রীলিঙ্গ রূপ কী?
- (c) त्वं कस्यां प्रेक्ष्यां पठसि? महाविद्यालये तव कति मित्राणि सन्ति?
তুমি কোন শ্রেণীতে পড়? মহাবিদ্যালয়ে তোমার ক'জন বন্ধু আছে?
- (d) ईकारान्ते स्त्रीलिङ्गे विद्यमानं शब्दद्वयमुल्लिख्य तयोः सम्बोधने एकवचनस्य रूपं लिख्यताम्।
দুটি ঈকারান্ত স্ত্রীলিঙ্গ শব্দ লিখে সম্বোধনে একবচনের রূপ লেখো।
- (e) भ्रमसंशोधनं कुरु— अयं बालिका बुद्धिमत्।
ভ্রম সংশোধন করো — অয়ং বালিকা বুদ্ধিমত্।
- (f) IPA इत्यस्य सम्पूर्णं नाम किम्?
IPA -এর সম্পূর্ণ নাম কী?
- (g) आदिमतमायाः बङ्गलिपेः निदर्शनं कुत्र समुपलभ्यते?
আদিমতম বাংলা লিপির নিদর্শন কোথায় পাওয়া যায়?
- (h) लिपिसृष्टेः प्रथमे पर्याये मनुष्याः केन माध्यमेन भावप्रकाशं कुर्वन्ति स्म?
লিপি সৃষ্টির প্রথম পর্যায়ে মানুষ কীভাবে ভাবপ্রকাশ করতো?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वितयं समाधेयम्।

5×2=10

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটির উত্তর দাও :

(a) प्रदत्तेषु शब्देषु योग्यं शब्दं चित्वा विभक्तियोगेन रिक्तस्थानं पूरयतु।

প্রদত্ত শব্দগুলির মধ্যে থেকে যোগ্য শব্দ চয়ন করে যোগ্য বিভক্তি যোগ করে শূন্যস্থান পূরণ করো।

(সূর্য, দিক্, পৃথিবী, অমাবস্যা, চন্দ্র)

(i) সূর্য: পূর্বস্যাং _____ উদেতি।

(ii) পৃথিবী _____ একো গ্রহঃ।

(iii) অস্যা: _____ উপগ্রহস্য নাম চন্দ্রঃ।

(iv) কৌমুদী _____ আলোকঃ।

(v) _____ চন্দ্রো ন দৃশ্যতে।

(b) 'छात्राणामध्ययनं तपः' इति विषयमाश्रित्य स्ववक्तव्यमुपस्थापयत। (संस्कृत भाषया)

'ছাত্রাণামধ্যয়নং তপঃ' এই বিষয়ে নিজের বক্তব্য সংস্কৃত ভাষায় উপস্থাপন করো।

(c) टीका लेख्या – सिन्धु लिपिः।

টীকা লেখো — সিন্ধু লিপি।

(d) टीका लेख्या – हियेरोग्लिफिकलिपिः।

টীকা লেখো — হিয়েরোগ্লিফিক লিপি।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

নির্দেশ অনুসারে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) पूजावकाशे भ्रमणात् परं स्वोपलब्धिविषये मित्रेण सह तव कल्पितं सम्भाषणं संस्कृतभाषया स्फुटीक्रियताम्।

পূজাবকাশে ভ্রমণের পর নিজের অভিজ্ঞতা নিয়ে বন্ধুর সঙ্গে তোমার কাল্পনিক সম্ভাষণ সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(b) बङ्गलिपेरुत्पत्तिमवलम्ब्य संक्षिप्तो निबन्धो रचनीयः।

বাংলা লিপির উৎপত্তি নিয়ে সংক্ষিপ্ত নিবন্ধ লেখো।

(c) पितुः शारीरिकी कुशलतां पृष्ट्वा स्थानान्तरे स्थितस्य पुत्रस्य पत्रं संस्कृत भाषया लेख्यम्।

পিতার শারীরিক কুশলতা জিজ্ঞাসা করে স্থানান্তরে স্থিত পুত্রের পত্র সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(d) महाविद्यालयस्याध्यक्षं प्रति 'वर्गे अनुपस्थिते: कारणं ज्ञापयित्वा क्षमाप्रार्थना' इति विषये छात्रस्य/छात्राया: संस्कृत भाषया पत्रं लेख्यम्।

ক্লাসে অনুপস্থিতির কারণ জানিয়ে ক্ষমা প্রার্থনা করে মহাবিদ্যালয়ের অধ্যক্ষের কাছে কোন ছাত্র/ছাত্রী-র সংস্কৃত ভাষায় আবেদন পত্র লেখো।

Group-B

(Political thought in Sanskrit literature)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नपञ्चकस्य उत्तरं देवनागरी लिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) कोनाम क्षपणकः?

ক্ষপণক কে?

(b) दारुवर्मा कः?

দারুবর্মা কে?

(c) सिद्धार्थकः चाणक्येन कस्मिन् कार्ये नियुक्तः?

সিদ্ধার্থক চাণক্যের দ্বারা কোন কার্যে নিযুক্ত হয়েছিল?

(d) मुद्राराक्षसमिति नाटकस्य नाम्नः तात्पर्यं किम्?

‘মুদ্রারাক্ষস’ এই নাটকের নামের তাৎপর্য কী?

(e) अर्थशास्त्रे अर्थशब्दस्यार्थः कः?

অর্থশাস্ত্রে অর্থশব্দের অর্থ কী?

(f) ‘शासनप्रधाना हि राजानः’- इत्यस्यार्थः कः?

‘শাসনপ্রধানা হি রাজানঃ’- এর অর্থ কী?

(g) शासनगुणाः के?

শাসনের গুণগুলি কী কী?

(h) उपायाः के?

উপায়গুলি কী কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটির উত্তর দাও :

(a) अनुवादः क्रियताम्—

অনুবাদ করো—

समुत्खाता नन्दा नवहृदयरोगा इव भुवः

कृता मौर्ये लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा ।

द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा

फलं कोपप्रीत्योर्द्विषति च विमक्तं सुहृदि च ।

(b) सरल संस्कृत भाषया सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या—

सरल संस्कृत भाषाय सप्रसङ्ग व्याख्या करो—

चीयते वालिशस्थापि सत्क्षेत्र पतिता कृषिः।

न शाले स्तम्भकारिता वसुर्गुणमपेक्षते।।

(c) मुद्राराक्षसम् इति नाटकस्य ऐतिहासिकं तथ्यम् आलोच्यताम्।

मुद्राराक्षस नाटकेर ऐतिहासिक तथ्य आलोचना करो।

(d) टीका लेख्या - आज्ञालेखः।

टीका लेखो — आज्ञालेख।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

निर्देश अनुसारे दूटि प्रश्नेर उत्तर दाओ।

(a) मुद्राराक्षसनाटकस्य प्रथमद्वितीयाङ्कावाश्रित्य चाणक्यचरितं स्फूटीक्रियताम्।

'मुद्राराक्षस' नाटकेर प्रथम ओ द्वितीय अङ्क अनुसारे चाणक्येर चरित्र वर्णना करो।

(b) राक्षसः कः? स कैरुपायैश्चन्द्रगुप्तं हन्तुम् अचेष्टत?

राक्षस के? से कोन कोन उपाये चन्द्रगुप्ते हत्या करते चेयेছিল?

(c) शासनस्योद्देश्यानि कानीति आलोच्यताम्।

शासनेर उद्देश्यगुलि की की एगुलिर आलोचना करो।

(d) शासनं किम्? शासन भेदा वर्णनीयाः।

शासन की? शासनेर विभागगुलि वर्णना करो।